उद्भव

ESTD. 1972

29 - 08 - 19

हिंदी परिषद का द्वि-मासिक समाचार पत्र, संत जोसेफ संध्याकालिन महाविद्यालय (स्वायत्त), बेंगलुरु | वॉल्यूम। 1 | अंक 1

संपादक - मंडली

- अब्दुल अदुत(अध्यक्ष)
- कोमल (उपाध्यक्ष)
- आशीष दुबे(सचिव)
- सौरव सिंह(संयुक्त सचिव)
- नाज़िया

फोटोग्राफर

- रोबिन सिंह
- इंदु ठाकुर

अंतर्वस्तु

- प्रप्रधानाचार्य का संदेश
- निदेशक का संदेश
- विभागाध्यक्ष का संदेश
- लोगो प्रतियोगिता
- 73 वाँ स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

कविताएँ
- प्रकृति
- सच
- पिता

प्रधानाचार्य का संदेश

डॉ अल्बर्ट जोसफ स्मिथ

मुझे खुशी है कि हिंदी परिषद् एक द्वि मासिक समाचार पत्र निकाल रहा है जो हिंदी विभाग से संत जोसेफ संध्याकालिन महाविद्यालय (स्वायत्त), बेंगलुरु में पहली बार आया है। यह सभी के बीच हिंदी भाषा, संस्कृति, राष्ट्रीय एकीकरण और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल है। इसलिए मैं हिंदी परिषद और हिंदी विभाग के सभी सदस्यों को इस उपक्रम में शुभकामनाएं देता हूं। होसकता है कि यह कई और अच्छी पहल में एक हो।

निदेशक का संदेश

फादर ब्रायन परेरा एस.जे.

मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि हिंदी परिषद् समाचार पत्र के साथ आ रही है और यह अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है। हमारे संस्थान ने हमेशा समावेशी दृष्टिकोण पर विश्वास किया है और विविधता का जश्न मनाता है, और इस नवप्रवर्तन से हिंदी परिषद हमारे विचार धरा को और अधिक मजबूत बनाएगी।मैं प्रो नागराजन और समाचार पत्र से जुड़े सभी छात्रों को बधाई देना चाहता हूं और उनकी शानदार सफलता की कामना करता हूं।

विभागाध्यक्ष का संदेश

प्रोफ. नागराजन इ म

हिंदी परिषद् के सानिद्ध में 'उद्भव' द्वि-मासिक समाचारपत्र का प्रथम अनुभाग प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है।इस संग्रह में परिषद के तरफ से आयोजित कार्यक्रमों का विवरण विध्यार्थियो के रचनात्मक गतिविधिओ एव चित्रों का समावेश कियाजा रहा है जिसका पूरा श्रेय सभी हिंदी छात्रों को जाता है। मैं सभी प्रतिभाओ को अनेक रचनात्मक योगदान और संपादकीय बोर्ड को इस पत्रिका को प्रभावी रुप में प्रकाशित करवाने के लिए उन्हें दिल से बधाई देता हु।आशा है की उद्भव पत्रिका परिषद् में एक नई उमंग एव उत्साह लेकर आएगा।

73 वाँ स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

इंदु ठाकुर द्वारा

73 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हिंदी परिषद ने चेहरे की पेंटिंग, अनुवाद, कविता और प्रश्नोत्तरी जैसी चार घटनाओं की व्याख्या की।सभी विभागों के छात्रों ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया और इसे बड़ी सफलता मिली। हिंदी परिषद के कई छात्रों ने 15 अगस्त को कॉलेज के चर्तुज में ध्वजारोहण समारोह में हिस्सा लिया ।

कविताएँ

सच

यश है तोह सब कुछ है
यही दुनिया का गान है
न भाग यश प्राप्ति से
इसी में तेरा विनाश है

हर पुस्तक का आखिरी पन्ना होता है
मनुष्य का अंत भी जरूर होता है
मत कर इतना गुरूर मनुषय
यह सब मिटटी में मिल जाता है

आज कठिन है पर
कल का सूरज सवेरा लाएगा
आज हर मान गया तो
पूरा जीवन राक हर है

बांध ले अपनी सेहेनशनकती
आगे बहुत कुछ आएगा
इस कनास की दुनिया में
तू भी राक कलम बन जायेगा

नाज़िया(पहली बी.कॉम)

प्रकृति

हरी हरी खेतो में
बरस रहे है बुंदे
ख़ुशी ख़ुशी से आया खवन
भर गया मेरा आंगन ।।
रोसा लग रहा है जैसे
मन की कालिया खिल रहा है जैसे
रोसा की आया बसंत
लेके फूलो का जशन।।
धुप से प्यासी मेरे तन को
बंदों ने दी रोसी अंगड़ाई
कूद पड़ा मेरा तन मन
लगता है में हु राक दामन ।।
यह संसार है कितना सुंदर
लेकिन लोग नहीं इतना अकल्मन्द
यही है एक निवेदन
न करो प्रकृति का शोषण।।

तान्या खान(पहली बी.कॉम)

पिता

मेरा साहस मेरी इज्जत मेरा सम्मान है पिता।
मेरी ताकत मेरी पूंजी मेरी पहचान है पिता ।।

घर की एक-एक ईंट में शामिल उनका खून पसीना
सरे घर के दिल की धड़कन सरे घर की जान पिता ।।

सारे रिश्ते उनके दम से सारे बाते उनसे है।
सारे घर के दिल की धड़कन सारे घर की जान पिता
शायद भगवन ने देकर भेजा फल थे अच्छे कर्मों के
उसकी रेहमत उसकी दें उसका है वरदान पिता ।।

खुशियों से भरा हर लम्हा होता है,
जिंदगी में सुनेहरा हर कल होता है,
मिलती है कामयाबी उन को
जिनके साथ पिता हर पल होता है ।।

सईदा अज़ीज़(पहली बी कॉम)

लोगो प्रतियोगिता

रॉबिन सिंह द्वारा

हिंदी परिषद ने शनिवार 22 जून, 2019 को लोगो मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। विभिन्न वर्षों के छात्रों ने इस पर भाग लिया और इसे एक बड़ी सफलता बनाया। तृतीय बी.कॉम के अभिषेक ने पहला और मंजू सिंह और भावेश मिस्त्री ने दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया।